

उत्तराखण्ड शासन
चिकित्सा अनुभाग-2
संख्या-1/47/XXVIII-2/01(14)2015 T.C-I
देहरादून: दिनांक 29 जुलाई, 2015

अधिसूचना
नियुक्ति/तैनाती

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत साधारण ग्रेड एलोपैथिक चिकित्साधिकारी के पदों पर लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वर्ष 2014-2015 में किये गये चयन के फलस्वरूप औपबन्धन समाप्ति के पश्चात् की गई संस्तुति के आधार पर, श्री राज्यपाल महोदय संलग्न सूची में उल्लिखित अभ्यर्थियों को उत्तराखण्ड प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के अन्तर्गत वेतनमान वेतन बैंड-3 ₹15600-39100 ग्रेड वेतन ₹5400 में चिकित्साधिकारी (साधारण ग्रेड) के पद पर निम्न शर्तों के अधीन अस्थाई रूप से नियुक्त करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1) उपरोक्त अभ्यर्थी संलग्न सूची में उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-6 में अंकित मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे।
- 2) चयनित चिकित्साधिकारियों का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन पृथक से महानिदेशालय, चिकित्सा 0स्वा0 द्वारा कराया जायेगा। यदि संबंधित चिकित्साधिकारी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सेवा में नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति तात्कालिक प्रभाव से निरस्त समझी जायेगी।
- 3) उपरोक्त अभ्यर्थी मुख्य चिकित्साधिकारी से सम्पर्क कर, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मण्डलीय मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होंगे। मण्डलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र संबंधित मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा मुख्य चिकित्साधिकारी के माध्यम से उक्त प्रमाण-पत्र सम्बन्धित अभ्यर्थी को प्रेषित किया जायेगा। मेडिकल बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किये गये अभ्यर्थियों के प्रकरण अग्रेत्तर स्वास्थ्य परीक्षण हेतु महानिदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य को संदर्भित किये जायेंगे।
- 4) नियुक्त चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे। उत्तर प्रदेश निर्बंधन नियमावली, 1983 के अन्तर्गत प्राईवेट प्रेक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रेक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।
- 5) नवनियुक्त अभ्यर्थी नियुक्ति/तैनाती आदेश निर्गत होने के 01 माह के भीतर अपने पद का कार्यभार अवश्य ग्रहण कर लें। इस अवधि के भीतर वे अपने तैनाती से संबंधित प्रस्तर-1(7) में अंकित सभी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि वे इस अवधि के भीतर अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन स्वतः समाप्त माना जायेगा।
- 6) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण हेतु अभ्यर्थी को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता आदि देय नहीं होगा।
- 7) अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण से पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे:-
 - i. अभियोजन न चलाये जाने तथा न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के संबंध में एक घोषणा-पत्र (संलग्न प्रारूप में)।

- ii. उत्तराखण्ड मेडिकल काउन्सिल द्वारा निर्गत स्थायी पंजीकरण की दो प्रतियां।
 - iii. ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - iv. गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - v. चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - vi. लिखित रूप से एक अन्डरटेकिंग कि यदि चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन के पश्चात उन्हें सरकारी सेवा के लिए उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति निरस्त समझी जायेगी, जिसके लिए वे किसी क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं होंगे।
 - vii. एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का घोषणा-पत्र (संलग्न प्रारूप में)
2. प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उक्त अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता लोक सेवा आयोग से प्राप्त वरिष्ठता क्रम के आधार पर सुसंगत नियमों के अनुसार अवधारित की जायेगी।
3. मौलिक रूप से नियुक्त चिकित्साधिकारी को "उत्तराखण्ड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2014" में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत 02 वर्ष की विहित परिवीक्षा पर रखा जाता है।
4. सम्बन्धित मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अभ्यर्थी की योगदान आख्या स्वीकार करने से पूर्व यह देख लिया जाय कि अभ्यर्थी उत्तराखण्ड मेडिकल काउन्सिल में पंजीकृत है तथा उनके मेडिकल काउन्सिल प्रमाण-पत्र एवं स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा के प्रमाण-पत्र का मूल रूप से जांच कर, इन प्रमाण-पत्रों की दो-दो प्रतियां स्वयं प्रमाणित कर महानिदेशक, चिकि0स्वा0 एवं प0क0 विभाग को उपलब्ध कराये जायेंगे।
5. 'मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन' चिकित्सकों की तैनाती जिस (दुर्गम/अतिदुर्गम) चिकित्सालय में कोई चिकित्सक तैनात नहीं है अथवा जहां पर एकल चिकित्सक तैनात है, में ही मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा की जायेगी।
6. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारियों द्वारा अपने जनपद के नवनियुक्त चिकित्साधिकारियों को सम्बन्धित जिला चिकित्सालयों में 01 माह का सेवारत बेसिक प्रशिक्षण (Basic Training) प्रदान किया जायेगा।

संलग्नक-यथोपरि।

(बी0आर0 टम्टा)
अपर सचिव

संख्या-1147 (1)/XXVIII-2/01(14)2015T.C-I, तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबरोय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार को उनके पत्र संख्या-54/53/01/सा0ग्रे0चि0/डी0आर0/सेवा-1/2014-15, दिनांक 11.02.2015, पत्र संख्या-83/53/01/सा0ग्रे0चि0/डी0आर0/सेवा-1/2014-15, दिनांक 04.03.2015, पत्र संख्या-128/53/01/सा0ग्रे0चि0/डी0आर0/सेवा-1/2014-15, दिनांक 13.04.2015, पत्र संख्या-157/53/01/सा0ग्रे0चि0/डी0आर0/सेवा-1/2014-15, दिनांक 11.05.2015 एवं पत्र संख्या-186/53/01/सा0ग्रे0चि0/डी0आर0/सेवा-1/2014-15, दिनांक 05.06.2015 के संदर्भ में।
3. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।

4. निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल, नैनीताल/पौड़ी।
5. निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की (हरिद्वार) को आगामी गजट में प्रकाशनार्थ।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड को उपरोक्त शासनादेश में अंकित निर्देशों के अनुपालनार्थ।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. संबंधित अभ्यर्थीगण द्वारा महानिदेशक।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. विभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,
(Signature)
(अनिल जोशी)
अनु सचिव।

क्र० सं०	लो०से० आयोग का क्रमांक	अभ्यर्थी का नाम	पिता का नाम	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थल
1	2	3	4	5	6
1.	294	डा० अताउर रहमान	श्री हकीम अब्दुल जब्बार	गांव व पोस्ट-धनपुरा, जिला-हरिद्वार-249405	मुख्य चिकित्साधिकारी, चमोली के अधीन।
2.	315	डा० नूपुर गुंसाई	श्री कीर्ति सिंह गुंसाई	बी-171, सेक्टर-4, डिफेंस कालोनी, देहरादून-248012	मुख्य चिकित्साधिकारी, टिहरी के अधीन।
3.	416	डा० इन्तखाब हुसैन	श्री अख्तर हुसैन	गांव व पोस्ट-धनपुरा, जिला-हरिद्वार-249405	मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तरकाशी के अधीन।

Anil Joshi
(अनिल जोशी)
अनु सचिव।